

2.11.18

प्राधान्य पत्र 55, चक्रील जमनी उपो, प्राची  
उपगत 04 जमनी पत्र 50 50 अ. 512,  
110, 128 एल आर अरुत का चक्रील विभा  
जमनी 01 विमल निरुत प्रकाश स विमल  
करवाया आकर जमनी प्राधान्य विभागा  
प्राधान्य जमनी सुगाए सिकर जमनी स  
काय स चक्रील अरुत 01

उपगत जमनी  
उपगत 01